Top 7 Best Short Motivational Stories in Hindi For Success

नमस्कार दोस्तों आप सभी का Shridas K Motivation Blog पर स्वागत है। दोस्तो मैंने आपके लिए सबसे मूल्यवान प्रेरणादायक कहानियां हिंदी में ढूंढकर इकट्ठी किया हुआ है, ताकि आपको मोटीवेट कर सकू। ये सभी प्रेरणादायक हिंदी कहानियां आपकी रचनात्मक और आपकी अंदरूनी गुणों से एक बार फिर से मिलवाने में आपकी मदद करेगी।

Top 3 Best Motivational Stories in Hindi For Success

दोस्तो आप केवल मुझे आपके कुछ चंद मिनिट दीजिए, इन सभी प्रेरणादायक लघु कहानियों को पढ़ने के लिए, ताकि आप इनसे कोई सबक सीख सके और जीवन भर के लिए एक याद बना सकें।

दोस्तो ये कहानियां केवल लघु कहानियां नही है, बल्कि ये आपके जीवन में एक परम निशान बना सकती हैं। मैं आप सभी से यह उम्मीद करता हु की इन सभी प्रेरणादायक हिंदी कहानियों से आपको कुछ ना कुछ जरूर सीखने को मिलेगा।

दो भाईयों की कहानी

दोस्तो ये कहानी है दो भाईयों की, उनमें से एक नशीली दवाओं का आदी था और अपने परिवार के लोगों को अकसर पीटा करता था , जबकि दूसरा काफ़ी सफल व्यापारी था। वह समाज में सम्मानित था और उसका एक अच्छा परिवार था।

एक ही माँ - बाप द्वारा पाले गए एक ही माहौल में पले - बढ़े दो भाई एक - दूसरे से इतने अलग कैसे हो गए। पहले भाई से पूछा गया कि आप यह सब क्यों करते हैं ?

आप नशीली दवाओं के आदी है, शराबी हैं , अपने परिवार के लोगों को पीटते हैं ? आपको यह सब करने की प्रेरणा कहाँ से मिलती है?

उसने जवाब दिया, मेरे पिता से, वो नशीली दवाओं के आदी थे, शराबी थे और अपने परिवार के लोगों को हर दिन पीटा करते थे। तो फिर आप मुझ से क्या बनने की उम्मीद करते है? उन्हीं वजहों से मैं ऐसा इंसान बन गया हूँ।

जब दूसरे भाई से पूछा गया , आप सारे सही काम क्यों करते हैं ? तो आपकी प्रेरणा का स्रोत क्या है ? और जरा सोचिए, उसने क्या कहा, मैं जब छोटा था, तो अपने पिताजी को शराब के नशे में धुत और सारे ग़लत काम करते हुए देखा करता था।

मैंने उसी समय सोच लिया था कि मुझे उनके जैसा नहीं बनना है। दोनों भाई एक ही स्रोत से प्रेरणा हासिल कर रहे थे, लेकिन एक ने उसका इस्तेमाल सही ढंग से किया और दूसरा ग़लत ढंग से कर रहा था।

ग़लत ढंग की प्रेरणा इंसान को आसान रास्ता अपनाने की इच्छा पैदा करती है , लेकिन अंत में वह रास्ता ज्यादा मुश्किल साबित होता है।

Short Motivational Story in Hindi For Success

एक लड़का नदी में डूब रहा था वो मदद के लिए चिल्लाया। एक आदमी जो उधर से गुज़र रहा था वो नदी में कूद पड़ा और उसने लड़के को बचा लिया। जब वह आदमी जाने लगा तो बच्चे ने कहा , धन्यवाद।

उस आदमी ने पूछा किस लिए ? लड़के ने जवाब दिया, मेरी जिंदगी बचाने के लिए। उस आदमी ने लड़के की आँखों में देखा और कहा, बेटा, जब तुम बड़े हो जाओ, तो इस बात को साबित करना कि तुम्हारी जिंदगी बचाने लायक थी।

दोस्तो यह सोचने का समय है और यही सचेत होने का समय है। आत्म संतुष्टि के बिना सफलता व्यर्थ है। यदि जीवन का कोई अर्थ और उद्देश्य न हो, तो आप कितना भी सम्मान , पैसा और शिक्षा हासिल कर लें , आपको जिंदगी में खालीपन और उदासी ही महसूस होगी।

सेहत, पैसा, परिवार, समाज और जीवन मूल्यों के बारे में अपनी व्यक्तिगत सफलता की फ़िलॉसफ़ि बनाने से ही सफलता की शुरुआत होती है। अगर हमारी जिंदगी में सफलता की साफ़ फिलॉसफ़ी न हो , तो ख्यालीपुलाव ही हमारे मार्गदर्शक बन जाएँगे।

जरुर पढ़े: [जीवन की यात्रा पर प्रेरणादायक कहानी]

एक लालची किसान की कहानी

एक लालची किसान से कहा गया कि वह दिन में जितनी जमीन पर चलेगा वह उसकी हो जाएगी, बशर्ते वो सूरज डूबने तक की जगह पर वापस लौट आए। ज्यादा से ज्यादा जमीन पाने के लिए वह किसान दूसरे दिन सूरज निकलने से पहले ही निकल पड़ा।

वह काफ़ी तेजी से चल रहा था क्योंकि वह ज्यादा से ज्यादा जमीन हासिल करना चाहता था। थकने के बावजूद वह सारी दोपहर चलता रहा, क्योंकि वह जिंदगी में दौलत कमाने के लिए हासिल हुए उस मौके को गँवाना नहीं चाहता था।

दिन ढलते वक़्त उसे वह शर्त याद आई कि उसे सूरज डूबने से पहले शुरूआत की हुई जगह पर पहुँचना है। अपनी लालच की वजह से वह उस जगह से काफी दूर निकल आया था और वो वापस लौट पड़ा।

सूरज डूबने का वक़्त ज्यों - ज्यों क़रीब आता जा रहा था, वो उतनी ही तेजी से दौड़ता जा रहा था। वो बुरी तरह थक कर हॉफने लगा, फिर भी वह बर्दाश्त से अधिक तेजी से दौड़ता रहा।

नतीजा यह हुआ कि सूरज डूबते - डूबते वो शुरूआत वाली जगह पर पहुँच तो गया, पर उसका दम निकल गया और वो किसान मर गया। फिर उसको दफना दिया गया और उसे दफ़न करने के लिए जमीन के बस एक छोटे से टुकड़े की ही जरूरत पड़ी।

एक लार्क चिड़िया की कहानी

एक बार एक लार्क चिड़िया जंगल में गाना गा रही थी। तभी एक किसान उसके पास से कीड़ों से भरा एक सदूक ले कर गुजरा। लार्क चिड़िया ने उसे रोक कर पूछा, तुम्हारे संदूक में क्या है और तुम कहाँ जा रहे हो?

किसान ने जवाब दिया कि उस संदूक में कीड़े है, वो बाजार से उन कीड़ों के बदले पंख खरीदने जा रहा है। लार्क ने कहा, पंख तो मेरे पास भी हैं। मैं अपना एक पंख तोड़ कर तुम्हें दे दूँगी और उसके बदले में आप मुझे कीड़े दीजिए। इससे मुझे कीड़े नहीं तलाशने पड़ेंगे।

किसान ने लार्क चिड़ियां को कीड़े दिए और लार्क ने उसके बदले में उसे अपना एक पंख तोड़ कर दे दिया। उसके बाद रोज यही सिलसिला चलता रहा और एक ऐसा दिन भी आया, जब लार्क के पास देने के लिए कोई पंख ही नहीं बचा था।

अब वह उड़ कर कीड़े तलाशने लायक नहीं रह गई, और अब वो भद्दी दिखने लगी और उसने गाना छोड़ दिया और जल्दी ही वह मर गई। दोस्तो यही बात हमारी जिंदगी के लिए भी सच है।

कई बार हमें जो रास्ता आसान लगता है , वही बाद में मुश्किल साबित होता है। इस कहानी का संदेश बहुत ही साफ़ है। लार्क चिड़ियाँ को जो भोजन हासिल करने का आसान तरीका लगा था, वही मुश्किल और नुक़सान देह तरीका साबित हुआ।

जरुर पढ़े: अगर आप खुश रहना चाहते है? तो यह कहानी आपके लिए ही है.

डॉक्टर की सर्विस

एक डॉक्टर जल्दी जल्दी अस्पताल में एक आवश्यक ओपरेशन के लिए आता है। उसने अपने कपडे कपडे बदले और तुरंत ऑपरेशन ब्लॉक में चला गया। उसने देखा की लडके के पिता हॉल में चक्कर लगा रहे है।

डॉक्टर को देखते ही लड़के के पिता भडक हो उठे और डॉक्टर से बोले की आपको आने में इतनी देर क्यू लगी? क्या आप जानते नहीं हो की मेरे बेटे की जान खतरे में है? आपको आप की जिम्मेदारी का एहसास है भी या नही?

डॉक्टर ने मुस्कुराया और बोला की माफ किजिएगा, मे अस्पातल में नहीं था इसलिए मे जल्दी हो सका आ गया। अब मे चाहूंगा की आप शांत हो जाइये, ताकि मे अपना काम शुरू कर सकू। लडके के पिता कहते है की में शांत हो जाउ?

अगर ये तुम्हारा खुद का बेटा होता तो क्या तुम शांत हो जाते? अगर तुम्हारा बेटा अभी मर जाए तो तुम क्या करोगे? लडके के पिता ने चिलाकर पुछा। डॉक्टर फिर मुस्कुराये और बोले की में वही करूंगा जो बायबल में लिखा हुआ है 'हम मिट्‌टी से आते है और मिट्‌टी को लौट जाते है।

आप जाइये और अपने बेटे के लिए प्रार्थना किजिए, भगवान की कृपा से हम अपनी तरफ से सबसे अच्छा करने की कोशिष करेंगे. उसके बाद लडके का पिता बडबडाया और बोले की बहुत आसान होता है सलाह देना, जब खुद का कोई लेना देना नहीं होता है.

कुछ घंटो के ऑपरेशन के बाद डॉक्टर खुश हुआ और ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकला और बोले की शुक्र है आपका बेटा बचा गया! और बिना पिता के कुछ कहने का इंतजार किये ही डॉक्टर वहा से बाहर चले गए।

अगर आपके कुछ सावल पूछने है, तो नर्स से पूछ लिजिएगा। नर्स को वहा आते देख पिता ने नर्स से पुछा की, ये इतना घमंडी क्यूँ है? की ये कुछ देर के लिए रुक नहीं सकता था, क्यूँकी मे इनसे अपने बेटे का हाल जान सकू।

नर्स ने उनको बताया की कल इनके बेटे का एक रोड अपघात में निधन हो गया और वो उसे दफनाने गए हुए थे, जब हमने उन्हे आपके बेटे के ऑपरेशन के लिए उन्हें बुलाया भेजा, तब वो आपके बेटे का ओपरेशन करने के लिए वहा से निकल आये.

दोस्तो इस कहानी से हमे यह सिखने को मिलता है की हर परिस्थीती में शांत रहे, ताकि आप अपने लिए बेहतर निर्णय ले सके, चाहे वो जिंदगी में हो या आप के व्यवसाय में हो।

Powerful Motivational Story in Hindi For Success

एक बार एक लड़का था, जो गुणी, कलाकार और दिखने में अच्छा और बहुत बुद्धिमान था, जैसे एक स्वाभाविक नेता। ऐसा कोई जिसे हर कोई अपनी टीम में चाहता था, मगर वो बहुत स्वार्थी और गुस्सैल था।

जब उसे गुस्सा आता था तो वो बहुत ख़राब चीजें बोलता और करता था। इतना कि उसके आसपास कौन है इसका भी लिहाज़ वो नहीं रखता था और अपने दोस्तों का भी नहीं। इसलिए उसके बहुत कम दोस्त थे।

जैसे - जैसे वह बड़ा होने लगा उसके माता - पिता को उसके व्यवहार से चिंता होने लगी और वे सोच में पड़ गए कि क्या करें। आख़िरकार , उसके पिता को एक तरकीब सूझी और उन्होंने अपने बेटे से एक सौदा किया।

उन्होंने उसे कीलों का एक थैला और एक बड़ा सा हथोड़ा दिया और उन्होंने कहा की मैं चाहता हूँ कि जब भी तुम्हे गुस्सा आए तो तुम उसे बाहर निकालो और पीछे बाड़ के लकड़ी के फट्टे पर पूरी ताकत से एक कील गाड़ देना।

वो मोटी लकड़ी के फट्टे मौसम की मार झेल - झेल कर लोहे से सख्त हो चुके थे और हथोड़ा भी बहुत भारी था, इसलिए ये काम इतना आसान नहीं था जितना की लगता था। मगर फिर भी एक दिन के अंत तक लड़के ने उसमे 37 कीलें गाड़ दीं थीं।

धीरे - धीरे , कुछ हफ्ते बीत जाने पर ये संख्या घट गई और उसे अपने गुस्से पर काबू आने लगा, क्योंकि बाड़ में कील गाड़ना मुश्किल काम था ! फिर एक दिन आया जिस दिन लड़के ने एक बार भी गुस्सा नहीं किया।

उसने गर्व से जाकर अपने माता - पिता को ये बात बताई। पिता ने कहा तुम्हारी कामयाबी के लिए तुम एक कील निकाल सकते हो, ये तुम हर उस दिन कर सकते हो, जिस दिन तुम गुस्सा नहीं करोगे।

कई हफ्ते बीत गए और आखिरकार एक दिन उस लड़के ने आकर गर्व से बताया कि अब फट्टे में एक भी कील बाकि नहीं है।

पिता ने उससे उनके साथ बाड़ देखने चलने को कहा और उन्होंने कहा की तुमने बहुत अच्छा काम किया है बेटे, मगर मैं चाहता हूँ की तुम वो छेद देखो जो बाड में रह गए हैं। अब चाहे जो हो जाए, बाड़ कभी भी पहले जैसी नहीं होगी।

गुस्से में कही और करी बातें भी ऐसे ही निशान छोड़ जाती हैं और दाग हमेशा रह जाता है। अब तुम कितनी भी दफा माफ़ी क्यूँ न मांग लो और कितने भी साल क्यों न बीत जाएँ , फिर भी दाग रह ही जाते हैं। बातों की चोट भी हाथों की चोट जितना ही दर्द देती है।

लोग इस बाड़ से ज्यादा कीमती हैं और वो हमारी मुस्कान और हमारी कामयाबी का कारण बनते हैं। कुछ हमारे दोस्त बन कर हमारी खुशियों में और दुःख में हमारे साथ होते हैं। इसका अर्थ है हमे सबको प्यार और इज्ज़त से रखना चाहिए।

इसीलिए हमे कम से कम दाग देने हैं। दोस्तों ये कितना ज़रूरी सबक है ना? और एक बात जो हम सबको बार बार याद रखनी चाहिए। सबको कभी न कभी गुस्सा आता है, तब असली इम्तेहान वो है कि हम उसका क्या करते हैं।

अगर हम समझदार हैं तो हम अपना समय पुल बनाने में लगायेंगे ना कि बाड़.

Read more: Motivational Stories In Hindi

दोस्तो अगर आपको हमारे द्वारा लिखा हुआ यह आर्टिकल पसंद आया होंगा और आपके लिए उपयोगी साबित हुआ होंगा, तो इस आर्टिकल को अपने दोस्तो के साथ शोशल मीडिया पर जरूर शेयर कीजिए।

आपका बहुमूल्य समय हमें देने के लिए दिल से धन्यवाद**...**